Result Mitra Daily Magazine

एंटीट्रस्ट कानून एवं Google

❖ हालिया संदर्भ :

- USA में संघीय न्यायालय के एक जज अमित मेहता ने Google के खिलाफ एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।
- इस फैसले में जज ने कहा कि Google का सर्च इंजन क्षेत्र में प्राप्त एकाधिकार अवैध है, साथ ही उन्होंने कहा कि ऐसा करके Google नवाचार एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को दबा रहा है।
- यह फैसला USA न्यायिक इतिहास के सबसे प्रभावशाली एंटीट्रस्ट मामलों में सुनाए गए फैसलों में से एक माना जा रहा है।

❖ Google का बढता वर्चस्व :

- लगभग 4 दशक पहले Apple एक नई कंपनी थी, जिसका मुकाबला इस क्षेत्र के Big Brother कहे जाने वाले IBM से था, लेकिन अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर वर्तमान में यह विश्व की सबसे प्रभावशाली कंपनियों में है।
- 1999 में IBM और Mircrosoft के एक विवाद ने के साम्राज्य के विस्तार को रोक दिया, जिसने जैसी नई सर्च इंजन व्यवसाय के लिए नए दरवाजे खोल दिये।
- वर्तमान में Google Apple के साथ "Big tech" का प्रतीक है, दुनिया में सर्वव्यापी स्थिति को प्राप्त कर चुका है।
- जज के अनुसार, Google का सर्च इंजन 89.2% हिस्सेदारी के साथ एकाधिकार की स्थिति में है, वहीं मोबाइल के मामले में इसका अधिकार क्षेत्र बढकर 94.9% हो जाता है।

❖ Google पर कथित आरोप :

- Google को बाजार में वर्चस्व बढाने के लिये अवैध तरीके अपनाए जाने का आरोप लगाया गया है।
- इस पर आरोप है कि इसने ऑनलाइन सर्च एवं विज्ञापन संबंधी व्यापार में एकाधिकार स्थापित करने के लिये विभिन्न मोबाइल कंपनियों एवं इंटरनेट ब्राउजर बनाने वाली कंपनियों को करोडों डॉलर का भुगतान किया।
- यह भुगतान Google को डिफॉल्ट सर्च इंजन बनाए जाने के लिये किया गया था।
- सबसे ज्यादा भुगतान Apple को दिया गया था। वर्ष 2021 में Google ने एकाधिकार प्राप्त करने के उद्देश्य से 26 अरब डॉलर का भुगतान किया।
- सामान्य शब्दों में इसका तात्पर्य यह है कि Google ने पैसे इसलिए खर्च किए कि जब भी कोई व्यक्ति सर्च इंजन खोले तो उसमें Google की खुले।

❖ Google का जबाव :

- Google का कहना है कि उसका बाजार-प्रभुत्व उपयोगकर्ताओं की पसंद के कारण है, न कि किसी एंटीट्रस्ट कार्यों की वजह से है।
- Google का कहना है कि उसका सर्च इंजन प्रत्येक दिन 8.5 अरब सवालों का जवाब देता है, जो लगातार बढता ही जा रहा है और यह पिछले 10 वर्षों में बढकर लगभग 2 गुना हो गया है।

❖ चुनौती बनता एकाधिकार :

- Google ने सार्वजनिक इंटरनेट के एक महत्वपूर्ण हिस्से को अपने कब्जे में ले लिया है और संभावित रूप से ऑनलाइन एवं डिजिटल व्यवसायों के व्यवहार में परिवर्तन ला सकता है।
- Google सहित Apple एवं माइक्रोसॉफ्ट जैसे कंपनियों के खिलाफ कई प्रकार की एंटीट्रस्ट चुनौतियाँ है, जिसका आधार लगभग समान ही है, जो निम्न हैं :-
- ये कंपनियाँ इंटरनेट पर इतनी प्रभावशाली हो गई हैं कि नई कंपनियों के प्रवेश के लिये बहुत बडी बाधा बन गई है।
- ये कंपनियाँ सॉफ्टवेयर से लेकर हार्डवेयर तक डिजिटल अर्थव्यवस्था के प्रत्येक पहलू को नियंत्रित करते हैं।
- इनका एकाधिकार नवाचार के लिये बुरा है।

❖ ऑनलाइन सर्च बाजार में Google :

- ऑनलाइन सर्च बाजार वैश्विक स्तर पर लगभग 200 बिलियन डॉलर का है, जिसमें Google का बाजार-शेयर लगभग 91% है।

- संघीय कोर्ट (USA) के फैसले के मुताबिक Google की सबसे बडी कमाई का हिस्सा आधारित विज्ञापन से आता है।
- 2023 में Google ने कुल 307 बिलियन डॉलर की कमाई की, जिसमें सर्च आधारित विज्ञापन से आय का योगदान 175 बिलियन डॉलर का रहा।
- इस दौरान Google के प्रमुख प्रतिद्वंदी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट बिंग ने महज 12 बिलियन डॉलर अर्जित किए।

❖ अन्य प्रमुख सर्च इंजन :

1. माइक्रोसॉफ्ट बिंग :-

- Google के बाद सबसे ज्यादा मार्केट शेयर वाला सर्च इंजन,
- करीब 3% मार्केट शेयर,

2. Baidu :-

- चीनी सर्च इंजन,
- चीन में एकाधिकार लेकिन वैश्विक मार्केट में 1.5-2% का शेयर,

3. Yandex :-

- रूसी सर्च इंजन,
- रूस में एकाधिकार, लेकिन वैश्विक मार्केट शेयर 1-1.5%

4. Yahoo :-

- एक समय दुनिया का सबसे बडा सर्च इंजन,
- वर्तमान में सिर्फ 1-1.5% मार्केट शेयर,

❖ Anti-Trust Law :

- USA का एंटीट्रस्ट लॉ बाजार में सभी को समान अवसर उपलब्ध करवाने का प्रयास करता है।
- यह अमेरिका में कंपनियों के एकाधिकार को नियंत्रित कर उपभोक्ताओं की हितों की रक्षा करता है।
- USA के तीन प्रमुख Anti-Trust Law निम्न है :-

1. शेरगन एंटीट्रस्ट एक्ट, 1890
2. क्लेटन एंटीट्रस्ट एक्ट, 1914
3. फेडरल ट्रेड कमीशन एक्ट, 1914

Result Mitra TM

❖ भारत में प्रथम :

- भारत में भी Google को अपनी बिलिंग पॉलिसी, अपने एप्प स्टोर पर सूचीबद्ध डेवलेपर्स से लिये जाने वाले कमीशन एवं ऑनलाइन विज्ञापन बाजार में स्टार्टअपन के प्रतिस्पर्द्धा को दबाए जाने के संबंध में असहमति की स्थिति है।
- भारत में विधायी तंत्र धीरे-धीरे ऑनलाइन दुनिया में Big Tech यानि बडी प्रौद्योगिकी कंपनियों को चुनौती देने के लिये विकसित हो रहा है और इसमें प्रतिस्पर्द्धा को बनाए रखना कानून निर्माताओं के लिये महत्वपूर्ण नियामक उपकरण है।
- भारत में भी डिजिटल साम्राज्यों पर लगाम लगाने के लिये एंटीट्रस्ट परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव के संकेत दिए हैं।

❖ भारत में Anti-Trust Law :

- भारत में Anti-Trust Law प्रतिस्पर्द्धा एक्ट, 2002 द्वारा शासित होता है, जिसका उद्देश्य भारतीय बाजारों को विभिन्न व्यवसायों द्वारा प्रतिस्पर्द्धा-विरोधी (एकाधिकार) प्रथाओं से बचाना है।
- भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग (CCI) प्रतिस्पर्द्धा एक्ट, 2002 के प्रवर्तन के लिये प्राधिकृत इकाई है।
- CCI के पास Anti-Trust Law के उल्लंघन के मामले में किसी कंपनी के पिछले 3 वित्तीय वर्षों के औसत टर्नओवर के 10% तक जुर्माना लगाने का अधिकार है, साथ ही में CCI को विशेष परिस्थिति में किसी प्रमुख कंपनी के विभाजन का आदेश देने का अधिकार है।
- USA में विभाजन का यह सिद्धांत Structural Relief कहलाता है, जिसकी मांग USA के Department of Justice ने Google के मामले में की है।

❖ डिजिटल प्रतिस्पर्द्धा विधेयक , 2004

➢ उद्देश्य :

- Google, Facebook और Amazon जैसे टेक दिग्गजों को अपनी सेवाओं का पक्ष लेने या एक ही कंपनी के अंदर एक-दूसरे को लाभ पहुँचाने के लिये डेटा के उपयोग करने से रोकना है।

➢ विशेषता :

- यह मसौदा यूरोपीय यूनियन के डिजिटल मार्केट एक्ट (DMA) से प्रभावित है।
- EU ने इस वर्ष के शुरूआत में ही DMA पारित किया है।
- इस एक्ट ने Alphabet, Amazon एवं Apple की सेवाएं खोलने की अनिवार्यता कर दी, साथ ही अब वे प्रतिद्वंदी कंपनियों की कीमत पर स्वयं का पक्ष नहीं ले सकते है।
- भारत द्वारा प्रस्तावित विधेयक में ऐसा प्रावधान है, जिससे प्रतिस्पर्द्धा-विरोधी प्रथाओं को घटित होने से पहले रोका जा सकेगा।

Result Mitra

- निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन किए जाने पर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया जाता है, जो अरबों डॉलर तक हो सकता है।
- अगर यह विधेयक कानून का स्वरूप ले लेता है, तो Big Tech कंपनियों को भारत में अपने विभिन्न प्लेटफॉर्म में मूलभूत परिवर्तन करने होंगे।

➢ एकाधिकार (Monopoly) :

- एकाधिकार से तात्पर्य ऐसे बाजार से है, जहाँ किसी विशिष्ट उत्पाद से संबंधित केवल एक ही विक्रेता होता है।
- एकाधिकार कंपनियाँ बाजार में मूल्य-निर्धारक होती है और जब चाहे और जितना चाहे मूल्य घटा-बढा सकती है। (बढाती ही है)
- ऐसी स्थिति में वह (कंपनियाँ) अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिये इच्छित रहती है।
- एकाधिकार की स्थिति पूर्ण प्रतिस्पर्द्धा के विपरीत होती है, जहाँ क्रेता और विक्रेता की संख्या बहुत ज्यादा होती है। पूर्ण प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति में क्रेता एवं विक्रेता द्वारा अधिकतम संतुष्टि के आधार पर कीमत का निर्धारण होता है।
- एकाधिकार (Monopoly) एवं एकाधिकारवादी (Monopolistic) में मूल अंतर यह है कि एकाधिकार में केवल एक ही विक्रेता होता है, लेकिन एकाधिकावादी बाजार में अलग-अलग प्रकार के विक्रेता एक ही वस्तु के अलग-अलग ब्रांड बेचकर प्रतिस्पर्द्धा करते है।

❖ Google :

- USA की कंपनी,
- 1998 में सर्जे ब्रिन एवं लैरी पेज द्वारा स्थापना,
- 2015 से Alphabet.Inc, Google की पैरेंट कंपनी,
- माउंटेन व्यू, कैलिफोर्निया में HQ
- सुंदर पिचाई वर्तमान में CEO
- वर्ष 2004 में Google के संस्थापकों ने इसे सार्वजनिक कर दिया, जिसका तात्पर्य यह हुआ कि बहुत सारे शेयरहोल्डर्स Google के मालिक हो गए।

Result Mitra